# बच्चों को बताएं पौधों से मिलने वाले फायदे

14/01/2021

**जन एक्सप्रेस/कानपुर नगर।** पर्यावरण सुरक्षा के लिए हमें वृक्षों, जानवरों, पक्षियों, पेड़ पौधों और पानी को बचाना होगा। इसकी शुरुआत घर परिवार से करनी चाहिए जिसमें बच्चों को पेड़ पौधों के नाम याद कराने के साथ पौधों से मिलने वाले फायदे बताकर बच्चों को पेड़ पौधों की ओर आकर्षित किया जा सकता है। यह बात सीएसएयू मे पर्यावरण चेतना-पर्यावरण निरंतरता विषय पर आयोजित वर्चुअल प्रतियोगिता के दूसरे एवं अंतिम दिन मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह ने छात्र-छात्राओं से कही। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में पर्यावरण से संबंधित राष्ट्रीय स्तर पर कार्यक्रम आगे भी कराए जाएंगे।इस अवसर पर बीएससी कृषि तृतीय वर्ष की छात्रा अंकिता सिंह ने पर्यावरण अनुकूल कचरा प्रबंधन विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि शहरी क्षेत्रों में ठोस कचरा निस्तारण के लिए ऐसी वैज्ञानिक व नवीन तकनीकी की जरूरत है जो पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ ही साथ सामाजिक और आर्थिक रूप से व्यावहारिक हो। डॉ. खलील खान ने बताया कि छात्रा आयुषी बाजपेई, दीपिका कटियार,साक्षी पांडे सहित 25 छात्राओं ने आज अपने-अपने व्याख्यान दिए गए। इस अवसर पर डॉ. एच.जी. प्रकाश, डॉ.धर्मराज सिंह, डॉ.आनंद श्रीवास्तव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

आर.एन.आई.नं.- UPHIN/2009/44666

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# सत्ता एक्सप्रेस

डी.ए.वी.पी. नई दिल्ली एवं राज्य सरकार द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त

वर्ष: 12 अंक : 94 कानपुर देहात,गुरुवार 14,जनवरी,2021 Email: sattaexpress@rediffmail.com

# जीवों की सुरक्षा से ही होगी पर्यावरण संरक्षित- डॉ डी आर सिंह

दैनिक सत्ता एक्सप्रेस

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद .षि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में पर्यावरण चेतना– पर्यावरण निरंतरता विषय पर वर्चुअल प्रतियोगिता के दूसरे एवं अंतिम दिन मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा के लिए हमें पृथ्वी पर रहने वाले सभी जीवो की सुरक्षा करनी होगी। उन्होंने कहा कि हमें वृक्षों, जानवरों,पक्षियों, पेड़ पौधों और पानी को बचाना होगा। कुलपति ने कहा कि हमारे सीखने की शुरुआत घर परिवार से होती है तथा बच्चों को पेड़ पौधों के नाम याद कराने से उन पौधों से मिलने वाले फायदे बताकर बच्चों को पेड़ पौधों की ओर आकर्षित किया जा सकता है। उन्होंने छात्र छात्राओं से कहा किविश्वविद्यालय में इसी प्रकार के पर्यावरण से संबंधित राष्ट्रीय स्तर पर भी कार्यक्रम कराए जाएंगे। मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि बीएससी .षि तृतीय वर्ष की छात्रा अंकिता सिंह ने पर्यावरण अनुकूल कचरा प्रबंधन विषय पर अपना व्याख्यान दिया। छात्रा ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में ठोस कचरा निस्तारण के लिए ऐसी वैज्ञानिक व नवीन तकनीकी की जरूरत है जो पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ ही साथ सामाजिक और आर्थिक रूप से व्यावहारिक भी हो। इसके अतिरिक्त छात्रा आयुषी बाजपेई, दीपिका कटियार,साक्षी पांडे सहित 25 छात्राओं ने आज अपने– अपने व्याख्यान दिए। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक डॉ वाई .के. सिंह ने सभी को आभार एवं धन्यवाद दिया। इस अवसर पर डॉ एचजी प्रकाश, डॉक्टर धर्मराज सिंह, डॉक्टर आनंद श्रीवास्तव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यकारी सम्पादक
अतुल गुप्ता

सहसम्पादक
रितुराज दुबे

ब्यूरो चीफ उ0प्र0
अनूप सचान

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अनुराग शुक्ला द्वारा सोमवती ऑफसेट द्वारिकागंज झींझक, कानपुर देहात से मुद्रित व द्वारिकागंज झींझक, कानपुर देहात से प्रकाशित किया गया।

सम्पादक
अनुराग शुक्ला
मो0 9235524131

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र कानपुर देहात होगा।

कानपुर। बृहस्पतिवार • 14 जनवरी • 2021 | राष्ट्रीय सहारा

# शाकाहार कम कर सकता है ग्रीन हाउस गैसेज का उत्सर्जन

## सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में 'फूड प्लेनेट हेल्थ' विषय पर वेबिनार

कानपुर (एसएनबी)। पूरी तरह शाकाहार उत्पाद अपना कर वातावरण के लिये हानिकारक ग्रीन हाउस गैसेज का उत्सर्जन काफी हद तक कम किया जा सकता है। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित 'फूड प्लेनेट हेल्थ' विषय पर आयोजित वेबिनार में विशेषज्ञ वक्ताओं ने पशु आधारित भोजन से पूरी तरह दूरी बनाने की जरूरत बतायी।

सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा संस्था 'वैगन आउटरीच' के सहयोग से आयोजित वेबिनार में विशेषज्ञ वक्ता अभिषेक दुबे ने बताया कि किस तरह पशु आधारित उत्पादों से दूर पूरी तरह शाकाहारी भोजन को अपना कर वनों को कम होने, भुखमरी और ग्रीन हाउस गैसेज के उत्सर्जन को काफी हद तक कम कर सकते हैं। साथ ही ऐसा कर के हम पृथ्वी को संरक्षित करने में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकेंगे। श्री दुबे ने कहा कि पूरी तरह वानस्पतिक उत्पादों को अपना कर हम टू वैगन बन सकते हैं। बर्तमान समय में देश में दूध की जितनी खपत हो रही है, उसकी तुलना में एक चौथाई दूध का ही उत्पादन होता है। ऐसे में उत्पादन को अधिक करने के लिये जानवरों के अधिकारों का हनन विभिन्न स्तरों पर किया जाता है। उन्होंने बताया कि कैल्शियम की शरीर में प्रतिपूर्ति के लिये दूध के स्थान पर तिल, हरी पत्तेदार सब्जियों आदि का उपयोग भी किया जा सकता है। इनमें दूध की अपेक्षा काफी अधिक मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है। उन्होंने कहा कि शाकाहारी उत्पादों का अधिक से अधिक उपयोग कर के ही पर्यावरण को भी संरक्षित किया जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि मांसाहार के जरिये शरीर में तमाम ऐसे तत्व चले जाते हैं, जो अत्यधिक नुकसानदेह होते हैं। वेबिनार में डॉ.वेदरतन, डॉ.आरपी सिंह, डॉ.अर्चना सिंह, डॉ.रश्मि सिंह, कार्यक्रम अधिकारी डॉ.आरके पाठक थे।

राष्ट्रीय सहारा

# पर्यावरण की रक्षा के लिए हमें पृथ्वी पर रहने वाले सभी जीवों की सुरक्षा करनी होगीः डॉ. सिंह



**कानपुर।** सीएसए में पर्यावरण चेतना-पर्यावरण निरंतरता विषय पर वर्चुअल प्रतियोगिता के अंतिम दिन मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी.आर. सिंह ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा के लिए हमें पृथ्वी पर रहने वाले सभी जीवों की सुरक्षा करनी होगी।

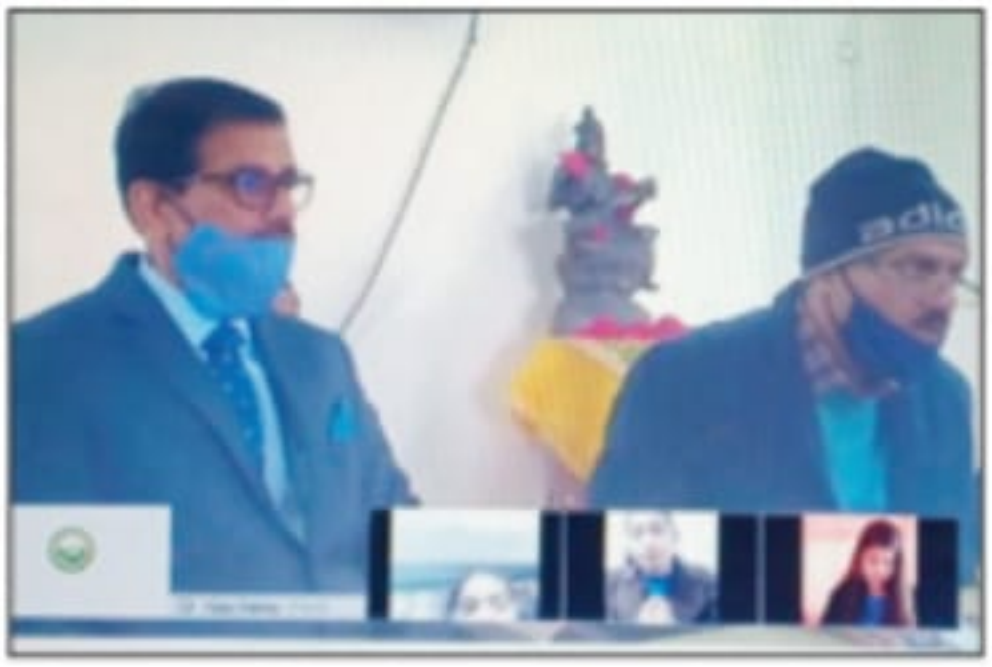

उन्होंने कहा कि हमें वृक्षों, जानवरों,पक्षियों, पेड़ पौधों और पानी को बचाना होगा। कुलपति ने कहा कि हमारे सीखने की शुरुआत घर परिवार से होती है तथा बच्चों को पेड़-पौधों के नाम याद कराने से उन पौधों से मिलने वाले फायदे बताकर बच्चों को पेड़ पौधों की ओर आकर्षित किया जा सकता है। उन्होंने छात्र छात्राओं से कहा कि विश्वविद्यालय में इसी प्रकार के पर्यावरण से संबंधित राष्ट्रीय स्तर पर भी कार्यक्रम कराए जाएंगे। मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि बीएससी कृषि तृतीय वर्ष की छात्रा अंकिता सिंह ने पर्यावरण अनुकूल कचरा प्रबंधन विषय पर अपना व्याख्यान दिया। छात्रा ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में ठोस कचरा निस्तारण के लिए ऐसी वैज्ञानिक व नवीन तकनीकी की जरूरत है जो पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ ही साथ सामाजिक और आर्थिक रूप से व्यावहारिक भी हो। इसके अतिरिक्त छात्रा आयुषी बाजपेई, दीपिका कटियार, साक्षी पांडे सहित 25 छात्राओं ने आज अपने-अपने व्याख्यान दिए। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक डॉ वाई .के. सिंह ने सभी को आभार एवं धन्यवाद दिया। इस अवसर पर डॉ एचजी प्रकाश, डॉ. धर्मराज सिंह, डॉ. आनंद श्रीवास्तव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

**कानपुर**

आर.एन.आई.नं.- UPHIN/2009/44666

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# सत्ता एक्सप्रेस

डी.ए.वी.पी नई दिल्ली एवं राज्य सरकार द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त

वर्ष: 12 अंक : 94 कानपुर देहात,गुरुवार 14,जनवरी,2021 Email: sattaexpress@rediffmail.com

# फूड– प्लैनेट– हेल्थ विषय पर सेमिनार का आयोजन

दैनिक सत्ता एक्सप्रेस कानपुर। चंद्रशेखर आजाद .षि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय में दिनांक 13 जनवरी 2021 को राष्ट्रीय सेवा योजना की टीम के तत्वाधान में ष्वैगन आउटरीचष् नामक गैर सरकारी संस्था के द्वारा ष्फूड– प्लैनेट– हेल्थषविषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य वक्ता अभिषेक दुबे थे।, जिन्होंने बताया कि यदि हम सभी लोग पूर्णतयरू वेजिटेरियन डाइट, जिसमें किसी भी प्रकार का एनिमल उत्पाद न हो को अपनाएं तो डिफॉरेस्टेशन, भुखमरी तथा हानिकारक ग्रीनहाउस गैसेस के एमिशन को काफी हद तक कम किया जा सकता है। साथ ही हम अपने प्लेनेट को संरक्षित करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकेंगे। उन्होंने कहा कि पूरी तरह से वानस्पतिक उत्पादों को अपनाकर हम ट्रू वैगन बन सकते हैं। वर्तमान समय देश में जितनी दूध की खपत हो रही है उसकी तुलना में एक चौथाई दूध का उत्पादन ही होता है अतः उत्पादन को अधिक करने के लिए जानवरों के अधिकारों का हनन विभिन्न स्तरों पर किया जाता है। उन्होंने यह भी बताया कि कैल्शियम की शरीर में प्रतिपूर्ति के लिए दूध के स्थान पर तिल व हरी पत्तेदार सब्जियों का प्रयोग किया जा सकता है। जिसमें दूध से काफी अधिक मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है। इस कार्यक्रम में .षि एवं गृह विज्ञान महाविद्यालय के 75 से अधिक छात्र – छात्राओं ने उत्साह पूर्वक हिस्सा लिया। वेबिनार में अधिष्ठाता ग्रह विज्ञान, डॉक्टर वेदरतन, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, डॉ आर पी सिंह, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम समन्वयक, डॉ अर्चना सिंह, गृह विज्ञान संकाय की कार्यक्रम अधिकारी, डॉ रश्मि सिंह, .षि विज्ञान महाविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी डॉ आर के पाठक ,डॉ संजीव सचान तथा मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान उपस्थित रहे।

आज
कानपुर
14 जनवरी , 2021
11

# पर्यावरण की रक्षा को पृथ्वी पर वृक्षों, पशु-पक्षियों और जल को बचाना आवश्यक

वेबिनार में शामिल प्रोफेसर व अन्य।

कानपुर, 13 जनवरी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में पर्यावरण चेतना-पर्यावरण निरंतरता विषय पर वर्चुअल प्रतियोगिता के दूसरे एवं अंतिम दिन मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डा. डी.आर. सिंह ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा के लिए हमें पृथ्वी पर रहने वाले सभी जीवों की सुरक्षा करनी होगी। उन्होंने कहा कि हमें वृक्षों, जानवरों,पक्षियों, पेड़ पौधों और पानी को बचाना होगा। कुलपति ने कहा कि हमारे सीखने की शुरुआत घर परिवार से होती है तथा बच्चों को पेड़-पौधों के नाम याद कराने से उन पौधों से मिलने वाले फायदे बताकर बच्चों को पेड़ पौधों की ओर आकर्षित किया जा सकता है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से कहा कि विश्वविद्यालय में इसी प्रकार के पर्यावरण से संबंधित राष्ट्रीय स्तर पर भी कार्यक्रम कराए जाएंगे। कार्यक्रम में बीएससी कृषि तृतीय वर्ष की छात्रा अंकिता सिंह ने पर्यावरण अनुकूल कचरा प्रबंधन विषय पर अपना व्याख्यान दिया। छात्रा ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में ठोस कचरा निस्तारण के लिए ऐसी वैज्ञानिक व नवीन तकनीकी की जरूरत है जो पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ ही साथ सामाजिक और आर्थिक रूप से व्यावहारिक भी हो। इसके अतिरिक्त छात्रा आयुषी बाजपेई, दीपिका कटियार, साक्षी पांडे सहित 25 छात्राओं ने अपने-अपने व्याख्यान दिए। इस अवसर पर डॉ एचजी प्रकाश, डॉक्टर धर्मराज सिंह, डॉक्टर आनंद श्रीवास्तव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। डा. वाई. के. सिंह ने सभी को आभार एवं धन्यवाद दिया।